

आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन



मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर। दिल्ली मेट्रो रोड स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के प्रोस्थोडॉटिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लांट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें बीडीएस एवं

एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ० वीरेन्द्र कुमार थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वक्ता डॉ० वीरेन्द्र कुमार आईटीएस -द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा, तथा संस्थान के डायरेक्टर-पीजी कोसेंज, डॉ० श्रीनाथ ठाकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ० देवी चरण शेड्डी तथा डॉ० सूर्या पोद्दुवाल, एचओडी



प्रोस्थोडॉटिक्स विभाग के द्वारा माँ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ० वीरेन्द्र कुमार द्वारा लेकर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ०

वीरेन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही अर्पित चड्ढा ने वक्ता डॉ० वीरेन्द्र को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ० गौरव इस्सर, एचओडी ओरल इम्प्लांटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता(आप अभी तक)

गजिबाबाद। आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रेसिडेंट डॉ. विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लान्टोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लान्ट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एन.सी.आर. संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बी.डी.एस. एवं एम.डी.एस. के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एच.ओ.डी. तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ. खीरेन्द्र कुमार थे, डॉ. कुमार इंटरनेशनल इम्प्लान्ट फाउंडेशन, म्युनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेप्ट का उपयोग करते हुये इमोडिफ्ट लोड इम्प्लान्टोलॉजी के क्षेत्र से एक प्रमाणित चिकित्सक हैं। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. खीरेन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल इम्प्लान्टोलॉजी, लेजर, सी.ए.डी.-



सी.ए.एम. और रिस्टोरेटिव डेन्टिस्ट्री को ओर है। डॉ. खीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वक्ता डॉ. खीरेन्द्र कुमार, आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चार्ज चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा, तथा संस्थान

के डायरेक्टर-पी.जे. कोर्सेज, डॉ. श्रीनाथ ठाकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ. देवी चरण शेट्टी तथा डॉ. सुर्या पोद्दुवाल, एच.ओ.डी. प्रेसिडेंट डॉ. विभाग के द्वारा मौ. सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ. खीरेन्द्र कुमार द्वारा लेकर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी

प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लान्टोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्प्लान्टोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ. खीरेन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम

से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लान्टोलॉजी और बेसल इम्प्लान्टोलॉजी विषय पर पहली बार क्लिनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ।

आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चार्ज चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने वक्ता डॉ. खीरेन्द्र को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ. गौरव इस्सर, एच.ओ.डी. औरल इम्प्लान्टोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस.-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा चार्ज चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

वर्तमान सत्ता

मुशवनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुशवनगर के प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लांट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एन0सी0आर0 संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बी0डी0एस0 एवं एम0डी0एस0 के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।

कार्यशाला के प्रमुख वक्ता डॉ0 वीरेन्द्र कुमार थे, डॉ0 कुमार इंटरनेशनल इम्प्लांट फाउंडेशन, म्यूनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेप्ट का उपयोग करते हुये इमीडिएट लोड इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र से एक प्रमाणित चिकित्सक है। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ0 वीरेन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी, लेजर, सी0ए0डी0-सी0ए0एम0 और



रिस्टोरेटिव डेन्टिस्ट्री की ओर है। डॉ0 वीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है।

इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि वक्ता डॉ0 वीरेन्द्र कुमार, आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा, तथा संस्थान के डायरेक्टर-पी0जी0 कोर्सेज, डॉ0 श्रीनाथ ठाकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ0 देवी चरण शेटी तथा डॉ0 सूर्या पोडुवाल, एच0ओ0डी0 प्रोस्थोडॉन्टिक्स

विभाग के द्वारा मौं सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया।

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ0 वीरेन्द्र कुमार द्वारा लेक्चर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ0 वीरेन्द्र द्वारा सभी

प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही श्री अर्पित चड्ढा ने वक्ता डॉ0 वीरेन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया।

अंत में डॉ0 गौरव इस्सर, एच0ओ0डी0 औरल इम्प्लांटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

आईटीएस में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

युग करवट संवाददाता

मुरादनगर। आईटीएस डेंटल कॉलेज में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। प्रोस्थोडॉंटिक्स विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का विषय 'बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरीडे इम्प्लांट प्रैक्टिस' था। मुख्य अतिथि वक्ता के तौर पर शामिल हुए डॉ. वीरेन्द्र कुमार, आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा और संस्थान के डायरेक्टर पीजी कोर्सेज, डॉ. श्रीनाथ ठाकुर एवं प्रधानाचार्य, डॉ. देवी चरण शेटी और डॉ. सूर्या पोडुवाल एचओडी प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे। गया। डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने अपने लेक्चर में सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लिनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान अर्पित चड्ढा ने भी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया।



आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडॉंटिक्स विभाग ने किया

एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

इस कार्यशाला में
दिल्ली-एनसीआर
संस्थान के 100 से
अधिक प्रतिभागियों
ने भाग लिया

■ दृष्टि सागर संवाददाता

गजिबाद। आईटीएस डेंटल कॉलेज, मुरादनगर के प्रोस्थोडॉंटिक्स विभाग ने एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। जिसका विषय बेसल इम्प्लांटोलॉजी-ए सिंपल सॉल्यूशन टू एवरोडे इम्प्लांट प्रैक्टिस था। इस कार्यशाला में दिल्ली-एनसीआर संस्थान के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें बीडीएस एवं एमडीएस के विद्यार्थियों के साथ-साथ सभी दंत विभागों के एचओडी तथा दंत चिकित्सक शामिल थे।



डॉ वीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है

कार्यशाला में डॉ वीरेन्द्र कुमार धे, डॉ कुमार इंटरनेशनल इम्प्लांट फाउंडेशन, म्यूनिख, जर्मनी से बेसल और कॉर्टिकल बोन कॉन्सेप्ट का उपयोग करते हुये इमीडिएट लोड इम्प्लांटोलॉजी के क्षेत्र से एक प्रमाणित चिकित्सक है। दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ वीरेन्द्र का मुख्य ध्यान कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी, लेजर, सोएडी-

सीएसएस और रिस्टोरेटिव डेन्टिस्ट्री को ओर है। डॉ वीरेन्द्र ने कर्नाटक राज्य में दंत चिकित्सा परिषद के कार्यकारी सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि वक्ता डॉ वीरेन्द्र कुमार, आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चट्टा, तथा संस्थान के डायरेक्टर-पोजी कोर्सेज, डॉ0 ब्रिनाथ ठाकुर

एवं प्रधानाचार्य, डॉ देवी चरण शेड्डी तथा डॉ सूर्या पोद्दुवाल, एचओडी प्रोस्थोडॉन्टिक्स विभाग के द्वारा मौ सरस्वती के सामने दीप प्रज्वलित करके किया गया। आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के वाईस चेयरमैन, अर्पित चट्टा ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया और दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ते एक्सपोजर के लिये सभी को प्रोत्साहित किया। इसके साथ

ही अर्पित चट्टा ने वक्ता डॉ वीरेन्द्र को मोमेन्टो देकर सम्मानित किया। अंत में डॉ गौरव इस्सर, एचओडी ओरल इम्प्लांटोलॉजी विभाग द्वारा सभी को धन्यवाद देकर कार्यशाला का समापन किया गया तथा इस सफल कार्यक्रम के लिए सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आरपी चट्टा तथा वाईस चेयरमैन श्री अर्पित चट्टा को धन्यवाद दिया।

सभी प्रतिभागियों को दी
कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी
की जानकारी

इस एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डॉ वीरेन्द्र कुमार द्वारा लेक्चर प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी की मूल जानकारी के बारे में बताया और इसी के साथ उन्होंने बेसल इम्प्लांटोलॉजी के बारे में भी महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक जानकारी से सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। इसके साथ डॉ वीरेन्द्र द्वारा सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस कार्यशाला के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को कॉर्टिकल इम्प्लांटोलॉजी और बेसल इम्प्लांटोलॉजी विषय पर पहली बार क्लीनिकल एक्सपोजर का अवसर प्राप्त हुआ।